पी एम लाड

कुछ इधर की उधर की

इंडियन कुकु

स्कूल की छुट्टियाँ खत्म होने वाली हैं। तो मैंने सोचा क्यों न इस बार तुमको पक्षियों के कुछ मज़ेदार और अजीबोगरीब किस्से सुनाऊँ। तैयार हो न...

नीचे धनेश यानी हॉर्नबिल की चार तस्वीरें हैं। इसकी खास पहचान है मोटी चोंच और उस पर छोटी-सी टोपी। वैसे तो धनेश कई तरह के होते हैं। यहाँ मैं इंडियन ग्रे हॉर्नबिल का ज़िक्र करूँगा। मादा धनेश ज़्यादातर पेड़ की कोटर में अण्डे देती है। अण्डे से बच्चे निकलने और उनके कुछ बड़े होने में लगभग 3 महीने लग जाते हैं। लगभग दो महीने वो कोटर में ही बैठी रहती है। और मज़ेदार बात यह है कि कोटर में घुसने के बाद वो अपनी बीट, पत्तियों, डण्डियों, गीली मिट्टी से कोटर को आगे से बन्द कर लेती है। घोंसलों में केवल एक छोटा-सा छेद छोड़ देती है। नर इसी छेद से उसे खाना पहुँचाता है। कोटर बन्द करने का सामान और खाने-पीने का सारा इन्तज़ाम नर हॉर्नबिल ही करता है।

अण्डे से बच्चे निकलने के कुछ दिन बाद मादा दरवाज़ा तोड़कर बाहर आ जाती है। वो कमज़ोर हो गई होती है। मादा के बाहर आने के बाद नर-मादा दोनों बच्चों के लिए खाना लाते हैं। हाँ, एक बात और हॉर्नबिल पानी नहीं पीते। पानी की कमी फलों से पूरी हो जाती है।

मादा धनेश के लिए भोजन लाता नर धनेश

बहुत से लोग सोचते हैं कि कोयल को ही अँग्रेज़ी में कुकु कहते हैं। नहीं भाई, कोयल अलग है और कुकु अलग! पर दोनों में एक बात एक-सी है। दोनों ही अपना घोंसला नहीं बनाते। वे मौका मिलते ही दूसरों के घोंसलों में अण्डा दे आने की ताक में रहते हैं।

दूसरों के घोंसले में अण्डे रखकर कुकु का माँ-बाप होने का फर्ज़ खत्म हो जाता है। पर ऐसा करना हँसी-खेल नहीं। मादा कुकु कई बार दोपहर से दर्ज़िन के घोंसले के पास छुपी बैठी रहती है। शाम तक, बिना हिले-डुले। कभी-कभी तो उसे अण्डा रखने का सही मौका मिलता ही नहीं!

बड़ी नदियों के आस पास रहने वाले इस खूबसूरत पक्षी का नाम है स्किमर। यह फोटो म. प्र. की चम्बल नदी के किनारे का है। इस पक्षी के बारे में आगे बताने से पहले बताओ की स्किम शब्द का अर्थ क्या होता है? तुमने स्किम्ड मिल्क का नाम सुना होगा। स्किम्ड मिल्क होता है मलाई उतरा दूध। जैसे दूध से मलाई उतारते हैं वैसे ही यह पक्षी पानी की सतह से कीड़े-मकोड़ों, झींगों, मछलियों को अपने मुँह में भरता जाता है। यह पानी की सतह पर इस तरह चोंच खोलकर तैरता है कि चोंच का निचला हिस्सा पानी के नीचे और ऊपरी हिस्सा पानी के ऊपर रहता है।

स्किमर

मादा कोयल

कोयल ज़्यादातर कौए के घोंसले में अण्डे देती है और कुकु शकरखोरा (सन बर्ड), दर्ज़िन (टेलर बर्ड) आदि के घोंसलों में। अण्डे सेने तक तो सब ठीक रहता है पर अण्डे से बच्चे निकलने के साथ गड़बड़ी शुरू हो जाती है। नन्ही-सी धाय माँ (शकरखोरा) ये लम्बे-चौड़े कुकु के बच्चे को चुग्गा देती है। बड़ा अजीब नज़ारा होता है। छोटे पक्षी अक्सर इतने बड़े बच्चों को खिलाते वक्त डरे रहते हैं। क्योंकि ये बच्चे भोजन माँगते वक्त चोट पहुँचा सकते हैं। चक मक

मैं अक्सर सोचता हूँ कि इतने बड़े बच्चे को खिलाते हुए शकरखोरा को कुछ अजीब नहीं लगता होगा? भूखे बच्चे कई बार आक्रामक हो जाते हैं।

चित्रः पी एम लाड व बड्र्स ऑफ वेस्टर्न घाट्स से साभार